# पाठ-7 स्वतंत्रता का महत्व
# पाठ विश्लेषण , शब्दार्थ

**CLASS: V**
**SESSION NO : 2**
**SUBJECT : HINDI**
**CHAPTER NUMBER:7**
**TOPIC: स्वतंत्रता का महत्व**
**SUB TOPIC:पाठ विश्लेषण , शब्दार्थ**



Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

# शिक्षण उद्देश्य

- पाठ में आए नए शब्द तथा उनके अर्थ से परिचय कराना|
- पाठ के मूल भाव  बताना तथा जीव दया के प्रति आकर्षित करना||

# चिंतन-मनन

जीव-जंतु हमारी प्रकृति का एक विशेष हिस्सा हैं। ये बेजुबान प्राणी होकर भी हम पर उपकार करते हैं। हमें इन्हें बंदी नहीं बनाना चाहिए।

शहर में मेला लगा था। राधा नए और सुंदर कपड़े पहनकर अपने मम्मी-पापा के साथ मेले में जा रही थी। आज उसे बड़ा अच्छा लग रहा था। तभी राधा की निगाह एक आदमी पर गई। उसने अपने हाथों में तीन-चार पिंजरे ले रखे थे। उनमें सुंदर-सुंदर, रंग-बिरंगी चिड़ियाँ बंद थीं। वह इन चिड़ियों को बेचने के लिए वहाँ खड़ा हुआ था। राधा को पक्षी वैसे भी बहुत अच्छे लगते थे और यह पिंजरों में बंद चिड़ियाँ तो थीं भी बहुत सुंदर।

राधा ने अपने पापा को रोका, “पापा, पापा! मुझे एक चिड़िया दिलवा दो। " पहले तो पापा ने उसे समझाया, “बेटे, चिड़िया का घर उसका खुला आकाश होता है। इस तरह से उसे पिंजरे में बंद करके रखना अच्छी बात नहीं है। "

ODM PUBLIC SCHOOL

लेकिन राधा की ज़िद के सामने उसके पापा की एक न चली। हारकर उन्होंने एक पिंजरा, जिसमें बहुत सुंदर चिड़िया थी, राधा को दिलवा दिया। राधा खुश हो गई। उसके पैर खुशी के मारे ज़मीन पर नहीं पड़ रहे थे।

राधा ने घर आते ही चिड़िया के लिए एक छोटी कटोरी में पानी का प्रबंध किया। खाने के लिए गेहूँ और दाल के दाने भी रखे गए। अगले दिन मोहल्ले के बच्चों को पता चला तो वे सब उसके घर आए । चिड़िया ज़ोर-ज़ोर से चीं- चीं, चीं- चीं बोल रही थी।

दिन बीतते गए। राधा अपनी प्यारी सी चिड़िया को बहुत प्यार करती थी। वह उसका पूरा ध्यान रखती थी। उसको समय पर भोजन तथा समय पर पानी देती थी। उसे पिंजरे सहित कभी छत पर ले जाती, तो कभी आँगन में घुमाती थी।

ODM PUBLIC SCHOOL

राधा ने दरवाज़े पर आवाज़ लगाई, "मम्मी मम्मी, दरवाजा खोलो।" पर वहाँ कोई होता, तब तो खोलता | राधा को कमरे में बहुत डर लग रहा था। जिस कमरे में रहते-रहते वह इतनी बड़ी हुई थी, वही कमरा बाहर से बंद होने पर उसे काट खाने को आ रहा था। राधा बहुत घबरा गई तथा ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी। रोते-रोते उसकी हिचकी बँध गई। वह सोच रही थी कि कब मम्मी आएँ और कब दरवाजा खुले! या काश! आज पापा ऑफ़िस से बीच में ही आ जाएँ, तो इस दमघोंटू कमरे से मेरी जान छूटे! राधा सचमुच बहुत घबरा गई थी। मम्मी प्रेमा आंटी के साथ बाज़ार से करीब सवा घंटे में लौटीं। उन्होंने आते ही आवाज़ लगाई, “राधा बेटे, तुम कहाँ हो ?" मम्मी की आवाज़ सुनते ही राधा ने ज़ोर-ज़ोर से रोना शुरू कर दिया।

ODM PUBLIC SCHOOL
SCHOOL OF HUMAN EXCELLENCE

शाम को जब पापा आफ़िस से आए, तो यह सब पता चलने पर वे भी बहुत दुखी हुए। राधा का मन बहलाने के लिए वे उसे लेकर बाज़ार गए। उसकी पसंद की गुड़िया और फल दिलवाकर लाए। फिर वे दोनों छत पर आ गए। राधा अपने साथ चिड़िया का पिंजरा भी लेकर आई।

पापा बोले, "जब तुम्हें पता था कि मम्मी एक घंटे के लिए बाज़ार गई हैं और कमरा भी तुम्हारा अपना ही है, तो तुम्हें इतना घबराने और रोने की क्या ज़रूरत थी?"

पापा, यह तो ठीक था कि कमरा मेरा अपना था, लेकिन बाहर से बंद होने पर मुझे वह बिलकुल जेल की तरह लग रहा था। मैंने सोचा, पता नहीं अब कोई इसे खोलेगा भी या नहीं। मुझे उसमें बहुत डर लग रहा था । " तभी राधा की नज़र अपनी चिड़िया के पिंजरे पर गई। राधा ने पिंजरा उठाया और उसकी खिड़की खोलकर बोली, “मेरी नन्ही दोस्त, सॉरी! मैंने तुम्हें इतने दिनों तक इस जेल में रखा है। जाओ, मैं तुम्हें आज़ाद करती हूँ । "

| **शब्द** | **अर्थ** |
|---|---|
| निगाह | नज़र ,दृष्टी |
| प्रबंध | इंतजाम |
| करीब | लगभग |
| आज़ाद | स्वाधीन |
| ज़रूरी | आवश्यक |
| दमघोंटू | दम घोंटनेवाला,साँस रोकनेवाला |

# गृहकार्य

कठिन शब्द तथा अर्थों को २ बार लिखिए |

# शिक्षण प्रतिफल

- पाठ में आए नए शब्द तथा उनके अर्थ से परिचित होंगे ।
- पाठ के मूल भाव  से परिचित होंगे तथा प्रेरणा लेंगे ।

# THANKING YOU

# ODM EDUCATIONAL GROUP

PUBLIC SCHOOL

SCHOOL OF HUMAN EXCELLENCE